दुती चन्द

दुती चन्द का जन्म 3 फरवरी 1996, ओडिशा के जजपुर गांव में हुआ। दुती चंद ने 100 मी. रेस जीत कर ग्लोबल इवेंट में ना सिर्फ अपना नाम लिखा बल्कि इतिहास में भी अपना नाम दर्ज किया। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने हालातों से समझौता नहीं किया। अपनी बहन से प्रेरित हो कर, दुती चंद ने सोचा कि सपोर्ट कोटा के कारण कोई नौकरी मिलना आसान हो जाएगा। भागते वक्त पैरों में जूते भी नहीं पहनती और झील के चारों ओर दौड़ती रहती, इस सोच में के एक न एक दिन शायद यही दौड़ उनकी जिंदगी में बदलाव लाएगा। हुआ भी यही। उनके हुनर को देखकर उन्हें २०१६ के समर ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लेने का अवसर दिया गया। २०१८ में चन्द ने जकार्ता एशियाई खेलों में महिलाओं की 100 मीटर में सिल्वर मेडल जीता। २०१९ में, वह 100 मीटर की दौड़ में 11.32 सेकंड के समय के साथ, यूनिवेर्सीयाड में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय धावक बनीं।

दुती चन्द LGBTQ + समुदाय के सदस्य के रूप में खुलकर सामने आने वाली भारत की पहली एथलीट भी हैं।